भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
ल खत प्रश्न सं. 608
सोमवार, 6 फरवरी, 2023/17 माघ, 1944 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

बिहार के तीर्थस्थलों का संयोजन

608. श्री दुलाल चन्द्र गोस्वामीः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे  कः

(क) वर्ष 2015 के दौरान सरकार द्वारा पर्यटन के  लए बिहार के  कतने तीर्थस्थलों को तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्द्धन अ भयान (प्रसाद योजना) के अंतर्गत जोड़ा गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या उत्तर-पूर्वी बिहार के उक्त तीर्थ स्थलों को भी आपस में जोड़ दिया गया है और यदि नहीं, तो क्या सरकार का इन क्षेत्रों के तीर्थ स्थलों को प्रसाद योजना के अंतर्गत जोड़ने का  वचार है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी.  कशन रेड्डी)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय की प्रशाद योजना के तहत सम्बन्धित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन से परियोजना प्रस्ताव प्राप्त होते हैं। बिहार की राज्य सरकार से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर पटना साहिब के  लए पटना,  वष्णुपद मंदिर के  लए गया और पुनौरा धाम के  लए सीतामढ़ी को इस योजना में शा मल  कया गया है। बिहार राज्य के  लए इस योजना के अंतर्गत अनुमोदित परियोजनाओं की स्थिति नीचे ता लका में दी गई है:-

| क्र. सं. | परियोजना का नाम | स्वीकृत वर्ष | अनुमोदित लागत (करोड़ रु. में) | भौतिक प्रगति |
|---|---|---|---|---|
| **1.** | वष्णुपद मंदिर, गया, बिहार में मूलभूत सु वधाओं का  वकास | 2014-15 | 4.27 | 100% |
| 2. | पटना साहिब, पटना, बिहार का  वकास | 2015-16 | 41.54 | 100% |

*******